

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-74

दिनांक: शुक्रवार, 25 सितम्बर, 2026



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0 एवं 24.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 84 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 70 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.4 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.6 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से०मी० गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.5 एवं दोपहर में 34.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 71.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(26-30 सितंबर, 2026)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 26 से 30 सितंबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने की संभावना है। मौसम के ऐसी स्थिति (चक्रवात का प्रभाव) 26 सितंबर के देर सुबह तक बने रहने का अनुमान है। जिसके कारण ज्यादातर स्थानों पर 26 सितंबर के सुबह तक हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। हालांकि, सीवान, गोपालगंज, समस्तीपुर, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण के कुछ स्थानों पर गरज के साथ अच्छी वर्षा होने की संभावना है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 23-29°C तथा न्यूनतम तापमान 20-25°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 85-95% तथा दोपहर में 60-65% के आसपास रह सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी या दक्षिण-पूर्वी दिशा से 15-25 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धान: खेतों में गंधी बग के प्रकोप के लिए नियमित निगरानी करें। इसके प्रभाव से दाने सफेद एवं खोखले हो सकते हैं। प्रकोप दिखाई देने पर सुबह या शाम के समय फोलिडोल चूर्ण 10-15 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग मौसम को देखते हुए करें।
- मक्का: फसल में इस समय नत्रजन की अंतिम मात्रा देने के लिए उपयुक्त समय है। फसल की अच्छी वृद्धि एवं बेहतर उपज के लिए 30 किग्रा नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से अंतिम उपरीवेशन करें।
- तोरी: मौसम सही होने पर तोरी की फसल के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की तैयारी के समय 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फास्फोरस, 40 किग्रा पोटाश एवं 20-30 किग्रा सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से डालें। इन पोषक तत्वों का प्रयोग बुआई से 25-30 दिन पहले करें। शेष 30 किग्रा नत्रजन प्रति हेक्टेयर की मात्रा उपरीवेशन के रूप में दें। जिक की कमी वाली भूमि में 25 किग्रा जिक सल्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें। उत्तर बिहार में बुआई के लिए आर.ए.यू.टी.एस.-17, पंचाली, पीटी-303 एवं भवानी जैसी अनुशंसित किस्मों के बीज की व्यवस्था करें।
- मूली: मूली की बुआई करें। काशी हंस, काशी लोहित, जौनपुरी जायंट, पालम हृदय, काशी श्वेता, पंजाब अगेती, स्कारलेट लॉन्ग, पूसा चेतकी, पूसा देसी, पूसा हिमानी, पूसा रश्मि, जापानी व्हाइट, जौनपुरी, व्हाइट आइसीकल, पंजाब सफेद, चाइनीज पिक, हिसार मूली नं. 1 एवं अरका निशांत जैसी उपयुक्त किस्मों की बुआई करें। 7-8 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज दर का प्रयोग करें। कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी 30×10 सेमी रखें। 150-200 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई कम्पोस्ट के साथ 60 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फास्फोरस एवं 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- फूलगोभी: मध्य अवधि वाली किस्मों पूसा हिम ज्योति, जी-96 एवं पंत शुभा की रोपाई अगले कुछ दिनों में करें। पछेली किस्मों पूसा स्नोबॉल-1 एवं पूसा हाइब्रिड-2 की पौध तैयार करने के लिए 350-400 ग्राम बीज/हेक्टेयर की आवश्यकता होती है। रोपाई से पहले 20-25 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद/हेक्टेयर मिलाएं। 120 किग्रा नत्रजन, 60-80 किग्रा फास्फोरस, 40-60 किग्रा पोटाश, 10-15 किग्रा बोरेक्स एवं 1-2 किग्रा अमोनियम मोलिब्डेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- पत्तागोभी: पत्तागोभी की बुआई की जा सकती है। उत्तर बिहार के लिए पूसा ड्रम हेड एवं पूसा अगेती किस्मों की बुआई करें। एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए लगभग 500 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है। कतार से कतार की दूरी 50-60 सेमी तथा पौधे से पौधे की दूरी 40-50 सेमी रखें। 20-25 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद के साथ 120 किग्रा नत्रजन, 80 किग्रा फास्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- पशुपालन: थनैला (मास्टाइडिस) रोग की रोकथाम के लिए पशुओं के पैरों को पोटैशियम परमैंगनेट के घोल से धोएं। दुहने के तुरंत बाद पशुओं को फर्श पर बैठने न दें। दुहने के बाद पशुओं के थनों को अच्छी तरह धोएं। दूध का pH मान जांचकर थनैला रोग का पता लगाया जा सकता है। यदि दूध का pH 7.0 से अधिक हो, तो मैमीडियम, मैस्टिकिल या मैमीयूप जैसी दवाओं का प्रयोग करें। प्रत्येक पशु को प्रतिदिन 50 ग्राम खनिज मिश्रण खिलाएं। पशुशाला में उचित स्वच्छता एवं साफ-सफाई बनाए रखें।
- सामान्य कृषि सलाह: सब्जियों एवं अन्य फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी सुनिश्चित करें। जल निकासी के बाद खेतों में उपयुक्त नमी आने पर ही रबी फसलों के लिए खेत की तैयारी एवं बुआई शुरू करें।

आज का अधिकतम तापमान: 27.2 डिग्री सेल्सियस,
जो सामान्य से 4.7 डिग्री सेल्सियस कम

आज का न्यूनतम तापमान: 21.0 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी